(50) निद्रानाशोऽरतिः कम्पो मूत्राघातो विसंज्ञता। – किसके उपद्रव है।
(अ) अजीर्ण
(ब) अलसक
(स) विसूचिका
(द) बिलम्बिका

(51) गर्भनाल (Umblical cord) में होती है ?
(अ) 2 Artery & 1 vein
(ब) 1 Artery & 2 vein
(स) 2 Artery & 2 vein
(द) 1 Artery & 1 vein

(53) भावप्रकाश के अनुसार शतावरी का प्रतिनिधि द्रव्य है ?
(अ) अश्वगंधा
(ब) शतावरी
(स) विदारीकन्द
(द) वाराहीकन्द

(54) ''षडगन्धा'' किसका पर्याय है ?
(अ) वचा
(ब) जटामांसी
(स) शिग्रु
(द) यवानी

(55) बार्लाक रस का घटक नहीं है ?
(अ) जयपाल
(ब) खर्पर
(स) प्रवाल
(द) हिंगुल

(56) सैंधव लवण के साथ मृदोष्ण घृत का सेवन करना – कौनसे रोग की चिकित्सा है।
(अ) वातज छर्दि
(ब) आमज छर्दि
(स) वातज तृष्णा
(द) द्विष्टार्थ संयोगज छर्दि

(57) रक्तपित्त चिकित्सा सिद्वान्त है।
(अ) संशोधन चिकित्सा
(ब) आश्वासन चिकित्सा
(स) प्रतिमार्ग हरणं चिकित्सा
(द) दैवव्यापाश्रय चिकित्सा

(58) ''अर्जुन'' कौनसे भाग का नेत्ररोग है ?
(अ) संधिगत
(ब) शुक्लगत
(स) कृष्णगत
(द) वर्त्मगत

(59) Match List-I with List-II and select the correct answer using the codes given below

List- I	List- II
(A) Floating ribs	1. 1-7 ribs
(B) True ribs	2. 8-10 ribs
(C) False ribs	3. 11-12 ribs

कूट :–

	A	B	C
(अ)	2	3	1
(ब)	3	2	1
(स)	2	1	3
(द)	**3**	**1**	**2**

www.ayurvedpg.com

(60) गुल्मिनां .....सर्वशो विधिवदाचरितव्या।

(अ) अनिलशान्तिरूपायैः

(ब) अनलशान्तिरूपायैः

(स) श्लेष्मशान्तिरूपायैः

(द) सर्वदोषशान्तिरूपायैः

(61) र्निगुण्डी साधित स्वरस का प्रयोग कौनसे कर्णरोग की चिकित्सा में किया जाता है ?

(अ) पूतिकर्ण

(ब) कर्णशूल

(स) कर्णनाद

(द) कर्णस्राव

(62) सूची –I (योग) को सूची–II (पर्याय) से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

सूची – I	सूची – II
A. चन्दन	1. मालतीफल
B. जातीफल	2. गिरिमल्लिका
C. उदुम्बर	3. यज्ञांग
D. कुटज	4. भद्रश्री

कूट :–

	A	B	C	D
(अ)	4	3	1	2
(ब)	2	1	3	4
(स)	**4**	**1**	**3**	**2**
(द)	2	3	1	4

(63) हेमन्त ऋतु में हरीतकी का सेवन किसके साथ करते है ?

(अ) पिप्पली

(ब) मधु

(स) सैंधव

(द) शुण्ठी

(64) षडंगपानीय के घटक द्रव्यों में शामिल नहीं है ?

(अ) पित्तपापडा

(ब) मुस्तक

(स) तुलसी

(द) उशीर

(65) कौनसा रोग शोधन के अयोग्य है ?

(अ) वातरक्त

(ब) उरूस्तंभ

(स) आमवात

(द) विसर्प

(66) 'नवायस लौह' का अनुपान है।

(अ) गोघृत

(ब) मधु घृत

(स) गोदुग्ध

(द) त्रिफला क्वाथ

(67) रस धातु का अंजलि प्रमाण होता है ?

(अ) 10 अंजलि

(ब) 9 अंजलि

(स) 8 अंजलि

(द) 7 अंजलि

www.ayurvedpg.com

(68) दोलायंत्र का उपयोग कौनसे कर्म के लिए होता है ?
(अ) स्वेदन
(ब) जारण
(स) पातन
(द) विषांश को दूर करने
(69) वातज अर्श का आकार किसके समान होता है ?
(अ) शुक जिह्वा
(ब) जलौका वक्त्र
(स) यकृत–प्रकाश
(द) सूचीमुख
(70) ''बहिरन्तश्च पीतता'' – किसका लक्षण है।
(अ) कुम्भकामला
(ब) कामला
(स) हलीमक
(द) पानकी
(71) अध्युर्बुद व द्विरर्बुद किसके भेद है ?
(अ) अर्बुद
(ब) ग्रन्थि
(स) अपची
(द) गलगण्ड
(72) निम्न में से कौक्नसा एक द्रव्य 'विषहर' द्रव्य की तरह कार्य करता है ?
(अ) शिग्रु
(ब) मदनफल
(स) कुटज
(द) मरिच
(73) रक्तक्षय, सक्थिशोष कौनसे मर्मविद्धता का लक्षण है ?
(अ) क्षिप्र मर्म
(ब) उर्वी मर्म
(स) ककन्दुर मर्म
(द) तलहृदय मर्म
(74) दीपिका तैल का प्रयोग किया जाता है ?
(अ) कर्णरोग में
(ब) नासारोग में
(स) मुखरोग में
(द) नेत्ररोग में
(75) मुक्ते हृदयबन्धने – किसका लक्षण है ?
(अ) प्रजायनी
(ब) लीनगर्भ
(स) उपस्थित प्रसवा
(द) आसन्न प्रसवा
(76) अवपीडक नस्य में किसका प्रयोग किया जाता है ?
(अ) चर्ण का नस्य दिया जाता है।
(ब) तैल का नस्य दिया जाता है।
(स) स्नेह का नस्य दिया जाता है।
(द) कल्ल स्वरस का नस्य दिया जाता है।
(77) बर्हिधूम और अर्न्तधूम – किसके भेद है ?
(अ) जारणा
(ब) मूर्च्छना
(स) पारद बंधन
(द) पारद संस्कार

www.ayurvedpg.com

(78) षडंगपानीय किसमें निर्दिष्ट है।
(अ) तृष्णा
(ब) वातज मदात्यय
(स) अरोचक
(द) पिपासा ज्वर

(79) निम्न में से कौनसा एक द्रव्य कफज रोगों के लिए नैमित्तज रसायन की तरह कार्य करता है।
(अ) शिलाजतु
(ब) पिप्पली
(स) वाकुची
(द) भल्लातक

(80) व्रणशोथ की कौनसी अवस्था में विम्लापन किया जाता है।
(अ) प्रारम्भ में
(ब) अन्त में
(स) मध्य में
(द) विम्लापन निषिद्ध है

(81) निम्नलिखित में से कौनसा औषध युग्म प्रमेह में अतिप्रभावी है।
(अ) नागरमोथा, पित्तपापडा
(ब) हरिद्रा, आमलकी
(स) हरिद्रा, बिल्ब
(द) वासा, कण्टकारी

(82) 1. पल 2. कर्ष 3. रत्ती 4. कर्ष – उक्त मानों के संदर्भ में सही आरोही क्रम है ?
(अ) 1 → 2 → 3 → 4
(ब) 4→ 3 → 2 → 1
(स) 1 → 2 → 4→ 1
(द) 2 → 1 → 3 → 4

(83) Pulsus alternans is found in -
(A) mitral stenosis
(B) Left ventricular failure
(C) Right ventricular failure
(D) Atrial fibrillation

(84) शूनगण्डाक्षिकूटभ्रू: – किसका लक्षण है।
(अ) पाण्डु
(ब) मद्विकाभक्षण पाण्डु
(स) कामला
(द) कुम्भ कामला

(85) बीजदोषज योनिव्यापद है ?
(अ) शुष्का
(ब) सूचीमुखी
(स) षण्डी
(द) फलिनी

(86) शारंगधर के अनुसार 'कपिकच्छू' कौनसे कर्म वाले द्रव्यों का उदाहरण है।
(अ) रसायन
(ब) बाजीकरण
(स) शुक्रलं
(द) शुक्र स्तम्भक

(87) चतुरूषण है ?
(अ) शुण्ठी, मरिच, पिप्पली, पिप्पलीमूल
(ब) शुण्ठी, अतिविषा, नागरमोथा, गुडूची
(स) त्वक्, एला, तेजपत्र, नागकेसर
(द) शुण्ठी, मरिच, पिप्पली, चित्रक

www.ayurvedpg.com

(88) गर्भास्पन्दनमनुन्नतकुक्षिता – किसका लक्षण है ?
(अ) लीनगर्भ
(ब) गर्भक्षय
(स) मूढगर्भ
(द) अर्न्तमृत गर्भ

(89) महत्पंचमूल किस कारण से वातशामक होते है ?
(अ) कषाय रस
(ब) मधुर विपाक
(स) मधुर रस
(द) उष्ण वीर्य

(90) कर्णमूलशोथ – किसका उपद्रव है।
(अ) पुनरावर्तक ज्वर
(ब) सन्निपातज ज्वर
(स) अभिन्यास ज्वर
(द) ज्वर

(91) अर्श में पथ्य है ?
(अ) शुण्ठी
(ब) अपामार्ग
(स) शिग्रु
(द) मरिच

(92) सभी स्नेहों में घृत अपने किस गुण के कारण श्रेष्ठ है।
(अ) निर्वापण
(ब) शीत
(स) सूक्ष्म
(द) संस्कारानुवर्तन

(93) चित्रक का विपाक होता है ?
(अ) मधुर
(ब) अम्ल
(स) कटु
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं

(94) अंसपार्श्वाभितापश्च सन्तापः करपादयोः। – किसका लक्षण है ?
(अ) पुनरावर्तक ज्वर
(ब) श्वसनिक ज्वर
(स) राजयक्ष्मा
(द) प्रलेपक ज्वर

(95) प्रतिश्याय के उपद्रव है।
(अ) बाधिर्य
(ब) अन्धता
(स) घ्राणशक्ति का नाश
(द) उपरोक्त सभी

(96) उपशीर्षक में दोष होता है।
(अ) वात
(ब) पित्त
(स) कफ
(द) रक्त

(97) मण्डलं वृत्तमुत्सन्नं सरक्त पिटिकाचितम् – किसका लक्षण है ?
(अ) पाषाणगदर्भ
(ब) इन्द्रयुधा
(स) पनसिका
(द) गर्दभी

www.ayurvedpg.com

(98) निम्न में से किस योग में 'टंकण' घटक द्रव्य के रूप में होता है ?

(अ) चर्तुमुख रस

(ब) चन्द्रकला रस

(स) चर्तुभुज रस

(द) चन्द्रामृत रस

(99) चरकानुसार ''परओज' की मात्रा होता है।

(अ) 1 अंजलि

(ब) ½ अंजलि

(स) 8 बिन्दु

(द) 6 बिन्दु

(100) Femoral canal has Contains -

(A) The femoral artery & some lymphatic vessels

(B) The femoral vein & some lymphatic vessels

(C) The femoral nerve & inguinal ligament

(D) None of these

www.ayurvedpg.com